

## रविर डॉल्फनि के लिये वैश्विक घोषणा

[स्रोत: वरल्ड वाइड फंड](#)

हाल ही में 11 एशियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों ने विश्व की [रविर डॉल्फनि](#) की छह जीवित प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने के लिये बोगोटा, कोलंबिया में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किये।

- 1980 के दशक के बाद से रविर डॉल्फनि की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से 73% की गिरावट आई है, यह ऐतिहासिक समझौता इस गंभीर स्थिति के खिलाफ लड़ाई में आशा की एक करिण का प्रदान करता है।

### रविर डॉल्फनि के लिये वैश्विक घोषणा:

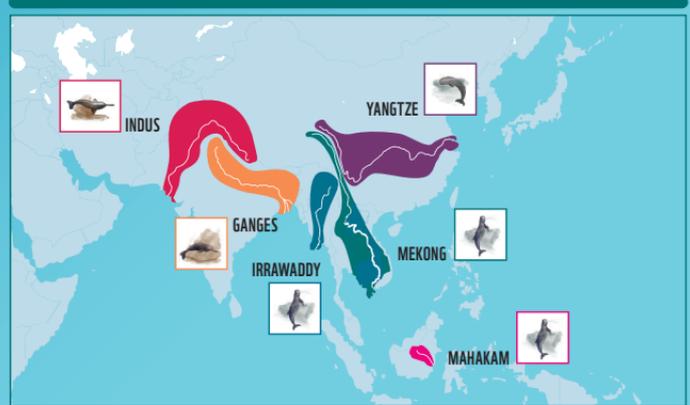
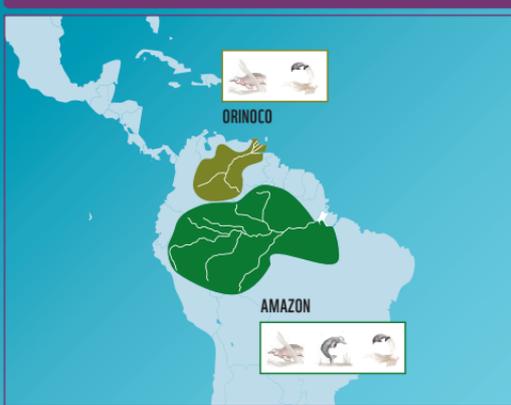
- परिचय:**
  - रविर डॉल्फनि के लिये वैश्विक घोषणा का उद्देश्य सभी [रविर डॉल्फनि प्रजातियों](#) की गिरावट को रोकना और ठोस प्रयासों के माध्यम से सबसे कमज़ोर आबादी को मज़बूत करना है।
    - यह घोषणा गलिनैट को खत्म करने, प्रदूषण को कम करने, अनुसंधान पहल का वसितार करने और रविर डॉल्फनि प्रजातियों की सुरक्षा हेतु संरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे उपायों की रूपरेखा तैयार करने में सहायता करती है।
  - इस घोषणा को अपनाने वाले देशों में शामिल हैं: बांग्लादेश, बोलीविया, ब्राज़ील, कंबोडिया, कोलंबिया, इक्वाडोर, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, पेरू और वेनेज़ुएला।
    - इंडोनेशिया में क्षेत्रीय सरकार का एक प्रतिनिधि भी है जिसके पास महाकम नदी की ज़िम्मेदारी है।
- मूलभूत सतंभ:**
  - रविर डॉल्फनि के लिये वैश्विक घोषणा के आठ मूलभूत सतंभों में संरक्षित क्षेत्रों का एक नेटवर्क स्थापित करना, नदी डॉल्फनि साइट प्रबंधन में सुधार, अनुसंधान और नगरानी प्रयासों का वसितार, स्थानीय समुदायों एवं व्यक्तियों को शामिल करना, अस्थिर मत्स्यन प्रथाओं को खत्म करना, जल की गुणवत्ता व मात्रा में वृद्धि को बढ़ावा देना शामिल है। विश्व रविर डॉल्फनि दविस 24 अक्टूबर को डॉल्फनि के बारे में जागरूकता और संसाधन आवंटन एवं भागीदारी बढ़ाने के लिये मनाया जाता है।

### रविर डॉल्फनि से जुड़े मुख्य तथ्य:

- परिचय:**
  - रविर डॉल्फनि मीठे जल के **केटासियन (Cetaceans)** का एक समूह है जो एशिया और दक्षिण अमेरिका में विभिन्न नदी प्रणालियों में पाए जाते हैं।
  - छह जीवित रविर डॉल्फनि प्रजातियों में शामिल हैं: अमेज़न, गंगा, सधु, इरावदी, तुकुक्सी, और यांग्तज़ी फनिलेस पॉरपॉइज़।
    - चीनी नदी डॉल्फनि को 2007 में 'संभवतः विलुप्त' माना गया था।
  - IUCN की रेड लिस्ट के अनुसार, यांग्तज़ी फनिलेस पॉरपॉइज़ को गंभीर रूप से संकटग्रस्त जलीय जीव के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
    - अमेज़न, गंगा, सधु, इरावदी और तुकुक्सी को संकटग्रस्त जलीय जीवों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।



## RIVER DOLPHINS DISTRIBUTION



**नोट:** यांग्त्ज़ी फनिलेस पॉरपॉइज़ वशिव की एकमात्र मीठे जल की पॉरपॉइज़ है, कतिु इसे 'रविर डॉल्फनिस्' नाम के तहत अन्य मीठे जल के केटासयिन (Cetaceans) के अंतर्गत शामिल किया गया है।

- **अमेज़न रविर डॉल्फनि**, जिसे पकि रविर डॉल्फनि अथवा बोटो के नाम से भी जाना जाता है, सबसे बड़ी रविर डॉल्फनि है।
- रविर डॉल्फनिस् द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ:
  - रविर डॉल्फनिस् को वभिनिन कारकों से खतरा है, जनिमें **मत्स्यपालन** की अस्थरि प्रथाएँ, **जलवदियुत बाँध नरिमाण**, वभिनिन उद्योगों, कृषि और खनन से **प्रदूषण**, साथ ही नविस स्थान का ह्रास शामिल है।
  - इसके अतरिकित **अमेज़न की सूखाग्रसत लेक टेफे** में हाल ही में 150 से अधिक रविर डॉल्फनि की दुखद मौत जलवायु परिवर्तन से इन जलीय जीवों के अस्तित्व पर बढ़ते खतरे को उजागर करती है।
- **सफल संरक्षण प्रयास:**
  - उदाहरण के लिये संयुक्त संरक्षण कार्रवाई के परिणामस्वरूप पाकिस्तान में **सधु नदी डॉल्फनि** की संख्या बढ़कर दोगुनी हो गई है।
  - इसके अतरिकित सुरक्षात्मक उपायों के चलते **यांग्त्ज़ी फनिलेस पॉरपॉइज़** की संख्या में 23% की वृद्धि दर्ज की गई।
  - **सधु और यांग्त्ज़ी** जैसी सघन आबादी वाली नदी-घाटियों में **संरक्षण प्रयासों** को सफलता मिली है।
  - इसके अलावा वशिव वन्यजीव कोष की **इलेक्ट्रॉनिक पगिर परियोजना** के तहत **इंडोनेशिया** की महाकम नदी में 80 डॉल्फनि को गलि जाल से मुक्त कराया गया।

# गंगा डॉल्फिन

(*Platanista gangetica gangetica*)

## तथ्य

- ❖ गीठे पानी में ही रह सकती हैं; गहरे पानी को ब्यादा प्राथमिकता देती हैं
- ❖ सामान्यतः अंधी होती हैं; अल्ट्रासोनिक ध्वनि उत्सर्जित करके शिकार करती हैं
- ❖ पानी में साँस नहीं ले सकती; साँस लेने के लिये प्रत्येक 30-120 सेकंड में सतह पर आती हैं
- ❖ साँस लेने के दौरान निकलने वाली आवाज़ के कारण इन्हें 'सुसु' भी कहा जाता है

## अधिवास एवं वितरण

- ❖ भारत, नेपाल और बांग्लादेश की गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में वितरित।
- ❖ भारत के 7 राज्यों असम, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में इनकी उपस्थिति देखी जा सकती है।

## संरक्षण की स्थिति

- ❖ IUCN रेड लिस्ट: संकटग्रस्त (endangered)
- ❖ CITES: परिशिष्ट I
- ❖ भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972- अनुसूची-I

## खतरे

- ❖ आवास की क्षति
- ❖ प्रदूषण
- ❖ बायकैच
- ❖ जलवायु परिवर्तन
- ❖ शिकार

## संरक्षण संबंधी प्रयास

- ❖ प्रोलेक्टर डॉल्फिन (2021): प्रोलेक्टर टाड़गर की तर्ज पर
- ❖ नेशनल डॉल्फिन रिसर्च सेंटर (2021): पटना विश्वविद्यालय (बिहार) में; भारत और एशिया का पहला
- ❖ समर्पित डॉल्फिन अभयारण्य:
  - ❑ विक्रमशिला अभयारण्य (बिहार) - 1991
  - ❑ हरिनापुर अभयारण्य (उत्तरप्रदेश) - प्रस्तावित



## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है? (2015)

- लवणीय जल का मगरमच्छ
- ओलवि रडिले टर्टल
- गंगा डॉल्फनि
- घड़ियाल

उत्तर: (c)

